चंडीगढ़, 1 मई, 2000

प्रबंध के छात्रों को बदलते बाजार से अवगत कराया

अमर उजाला ब्यूरो
अंबाला, 30 अप्रैल

आत्मानंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एवं टेक्नोलॉजी के पांचवें राष्ट्रीय सेमिनार में प्रबंध छात्रों को उनके कैरियर के विभिन्न मुद्दों पर उपयोगी जानकारी दी गई। सेमिनार में विषय विशेषज्ञों ने इलेक्ट्रानिक व्यापार, इंटरनेट तकनीक, इलेक्ट्रानिक मार्केटिंग में विज्ञापन, मार्केटिंग के बदलते स्वरूप आदि के बारे में बताया।

अंबाला शहर स्थित संस्थान में आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के उप कुलपति होशियार सिंह ने संस्थान को उत्तम प्रबंध संस्थानों में एक बताया। उन्होंने कहा कि उनके समय में प्रबंध छात्रों को विषय विशेषज्ञता हासिल करने के संसाधन कम थे। उन्होंने प्रबंध क्षेत्र में कामयाबी के भी कई सूत्र छात्रों को बताए। विशेष वक्ता सतीश कुमार ने इलेक्ट्रानिक्स कामर्स के चार प्रकारों में से व्यापार से व्यापार, व्यापार से उपभोक्ता, उपभोक्ता से व्यापार तथा उपभोक्ता से उपभोक्ता के विषय में सारगर्भित बातें बताईं।

दोपहर बाद के सत्र में आईएफसीआई, नई दिल्ली के मुख्य महाप्रबंधक ओपी अग्रवाल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन प्रो. अमर सिंह ने वक्तव्य दिए। संस्थान के निदेशक मुकेश सहगल ने कहा कि आधुनिक युग में व्यवसाय में विशेषज्ञता हासिल करके प्रबंध छात्र स्वयं और देश को तरक्की के रास्ते पर ले जा सकते हैं।

सेमिनार में कुरुक्षेत्र विवि के उप कुलपति होशियार संह, एनके इंडिया रबड़ कंपनी के प्रबंध निदेशक राजकुमार, रेल इंडिया लि. के आईटी विभाग के वरिष्ठ महाप्रबंधक सतीश कुमार, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फाइनेंस दिल्ली के जे.डी. अग्रवाल, कुरुक्षेत्र वि.वि. के अर्थशास्त्र विभाग के रीडर एम.एम. गोयल, जीजेआईएमटी मोहाली के निदेशक प्रो.पी. राजगोपालन, पंजाब स्कूल आफ स्टडीज के रीडर जी.एस. बतरा, कुरुक्षेत्र वि.वि. के चेयरमैन डॉ.एस.एल. गुप्ता, एआईएमटी के विनीत कोहली, आईसीडब्लयूए के चेयरमैन के.एल. जयसिंह, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के प्रेमकुमार समेत अन्य संस्थानों से आए वक्ताओं ने प्रबंध छात्रों को उपयोगी जानकारी दी।

सेमिनार में प्रंबध संस्थान के छात्रों ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। प्रमुख छात्र वक्ताओं में तरुण गोयल, सुमीत जैन आदि शामिल थे। इससे पहले मुख्य अतिथि होशियार सिंह ने दीप जलाकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

अजीत समाचार, जालन्धर

हरियाणा समाचार

अम्बाला शहर के आत्मानंद जैन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड टैक्नोलॉजी प्रबन्ध शिक्षा संस्थान में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय सैमीनार के दौरान मंच पर विराजमान मुख्यातिथि प्रो. होशियारपुर सिंह, अध्यक्ष राज कुमार जैन व अन्य। (छाया : जसदीप बेदी)

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. होशियार सिंह रविवार को अम्बाला में दीप शिखा प्रज्वलित कर 'विजन 2010 तक इलैक्ट्रोनिक व्यापार की औद्योगिक भारत में आगामी नीतियां और प्रतिक्रियाएं' विषय पर आयोजित 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ करते हुए। मंच पर बैठे हैं सनेफ रबड़ कम्पनी के संयुक्त प्रबंधक निदेशक राजकुमार, प्रो. होशियार सिंह, आत्मानंद जैन इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड टैक्नोलोजी प्रबंध शिक्षा संस्थान के प्रधान कुलदीप कुमार जैन तथा (दाएं) उपस्थिति का दृश्य। (छाया : नीरज, विवरण : शर्मा, कोहली, रवि)

इलैक्ट्रोनिक कॉमर्स एक उभरता हुआ विषय : सतीश

अम्बाला छावनी, 30 अप्रैल (पं.के.स.) : श्री आत्मा नंद जैन इंस्टीच्यूट आफ मैनेजमैंट एंड टैक्नोलोजी प्रबंध शिक्षा संस्थान में आज 'विजन-2010 तक इलैक्ट्रॉनिक व्यापार की औद्योगिक भारत में आगामी नीतियां और प्रतिक्रियाएं' विषय पर सैमीनार आयोजित किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. (डा.) होशियार सिंह इस सैमीनार के मुख्य अतिथि थे। अध्यक्षता राज कुमार जैन संयुक्त प्रबंध निदेशक सनफे (भारत) रबड़ कंपनी नई दिल्ली ने की।

सैमीनार के मुख्य वक्ता सतीश कुमार वरिष्ठ महाप्रबंधक रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इक्नॉमिक सांख्सीज लि. नई दिल्ली ने अपने संबोधन में कहा कि इलैक्ट्रोनिक कामर्स एक उभरता हुआ विषय है और प्रतिदिन किसी न किसी अंग्रेजी व हिन्दी समाचार पत्रों और मैगजीनों में इस विषय पर पढ़ने को मिल जाता है। इलैक्ट्रोनिक कामर्स ने परंपरागत व्यापार की कमियों को दूर कर उसमें सुधार करने का कार्य किया है जिससे अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक व्यापार को बढ़ावा मिला है।

पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के डा. जी.एस. बत्तरा ने इलैक्ट्रोनिक कामर्स विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में इलैक्ट्रॉनिक कामर्स ने एक ज्वलनशील स्थिति पैदा कर दी है। एक छोटे से बटन को दबाने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर बड़ी ही आसानी से रुपए पैसे का हस्तांतरण हो जाता है। मीडिया और वित्तीय सेवाएं इलैक्ट्रॉनिक कामर्स में अहम भूमिका निभाती है।

प्रो. बत्तरा ने कहा कि ई-कामर्स, सूचना तकनीकी के लिए उभरता हुआ तत्व है और व्यापार को सफल रूप से संचालित करने के लिए सबसे अच्छा रास्ता है। एच.आर.एम. फाऊंडेशन के निदेशक एस.के. भाटिया ने अपने संबोधन में कहा कि नई शताब्दी में तकनीकी, राजनीतिक और इक्नॉमिक परिवर्तन बड़ी तेजी से अपनी सीमा का विस्तार कर रहे हैं। इन परिवर्तनों को अनुकूल बनाने हेतु औद्योगिक व्यापार में ई-कामर्स तकनीक का प्रयोग होना आवश्यक है। किसी भी व्यापार को चलाने के नियम का प्रयोग होना आवश्यक है। व्यापार को चलाने के नियम बदल रहे हैं। इन परंपरागत नियमों को आधुनिक नियमों में बदलना आवश्यक हो गया है। इसलिए इंटरनैट तकनीक का प्रबंध छात्रों के लिए आवश्यक है।

आत्मानंद जैन प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रो. मुकेश सहगल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रबंध शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा को पछाड़ते हुए हमारे प्रबंध संस्थान ने पांचवें साल में सफलतापूर्वक प्रवेश कर लिया है। पिछले चार सालों से आत्मानंद जैन प्रबंध संस्थान प्रबंध शिक्षा के क्षेत्र में योग्य शिक्षा प्रदान करने का कार्य कर रहा है। प्रो. सहगल ने कहा कि आज हर तरह का व्यापार प्रतिस्पर्धा का मुकाबला कर रहा है। इलैक्ट्रोनिक कामर्स से न केवल प्रबंधक की योग्यता और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है बल्कि साथ-साथ व्यापारिक गतिविधियों को तेज गति भी मिलती है जिससे समय की बचत होती है। इस तकनीक से व्यापार और उपभोक्ता के लिए लागत को कम करने के साथ-साथ वस्तु और सेवाओं के स्तर में सुधार आता है।

प्रो. सहगल ने जानकारी देते हुए बताया कि इलैक्ट्रॉनिक कामर्स एक ऐसी गाड़ी है जिससे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार को प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में स्थिति को संभालने के तरीकों का ज्ञान होता है। इलैक्ट्रॉनिक कामर्स वस्तु बाज़ार में आने वाली बड़ी कठिनाइयों जैसे समय, दूरी और बाजारीकरण की कमियों को बड़ी ही सफलतापूर्वक साफ कराने के लिए प्रो. मुकेश सहगल के निर्देशन में पांचवें राष्ट्रीय सैमीनार का आयोजन किया गया।

इस सैमीनार में प्रथम तकनीकी सत्र के चेयरमैन डा. जे.डी. अग्रवाल और उप चेयरमैन श्रीनिवासन थे। सैमीनार के दूसरे तकनीकी सत्र में चेयरमैन और उपचेयरमैन का कार्यभार क्रमश: डा. के.एल. जय सिंह और डा. प्रेम कुमार ने संभाला। इस पांचवें राष्ट्रीय सैमीनार के समापन समारोह सत्र में श्री ओ.पी. अग्रवाल, चीफ जनरल मैनेजर आई.एफ.सी.आई. नई दिल्ली ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया औरर समापन संत्र की अध्यक्षता प्रो. (डा.) अमर सिंह डीन आफ कालेज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा की गई।